



## 7.1. Institutional Values and Social Responsibilities

### 7.1.5

**Green campus initiatives include the institutional initiatives for greening the campus**

**Any other relevant information**

## 7.1.5. Any other relevant information:

### Programmes to promote Use of Bicycles



Logos: JABALPUR, HORACYCLES, Rani Durgavati Vishwavidyalaya, Azadi Ka Amrit Mahotsav, INDIA CYCLES 4 CHANGE CHALLENGE, एक कदम स्वच्छता की ओर

GET READY  
World  
**BICYCLE**  
Day

Our Partners - Rani Durgavati University, Hora Cycles, All Colleges of Jabalpur

**BIGGEST BICYCLE RALLY**  
Registrations Open

**3<sup>rd</sup> JUNE** **6:30 AM**

Route Map - From Rani Durgavati University Campus to Dumna Nature Park

**यशो भारत** **सिटी का पहला पन्ना** **रनिवार**

# 'वर्ल्ड साइकिल डे पर निकाली साइकिल रैली'

जबलपुर, यशभारत। वर्ल्ड साइकिल डे के उपलक्ष्य में रानीदुर्गावती विश्व विद्यालय जबलपुर के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत एक साइकिल रैली का आयोजन विश्व विद्यालय के कुलपति श्री रणिल देव मिश्र के

**रादुविधि वित्त निर्यंत्रक रोहित सिंह कौशल, स्मार्ट सिटी के सी.ई.ओ. श्रीमती निधि सिंह राजपूत ने हरी झंडी दिखाई**

आयोजन में किया गया। साइकिल रैली को रानीदुर्गावती विश्व विद्यालय के वित्त निर्यंत्रक श्री रोहित सिंह कौशल एवं स्मार्ट सिटी के सी.ई.ओ. श्रीमती निधि सिंह राजपूत ने हरी झंडी दिखाकर दुमना नेचर पार्क के लिए रवाना किया। साइकिल रैली आयोजन में शहर के सभी सम्मानीय वर्गों के लोगो, दुमना एरोड्रम, विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगणों के अलावा शहर अन्य संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर रानीदुर्गावती विश्व



विद्यालय को छात्र कु, भेला दुने को ब्रांड एंजेलस प्रोपोज करते हुए साइकिल प्रदान की गयी। आयोजन के समारंभ स्थल दुमना नेचर पार्क में नुक्राड़ नाटक, के साथ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से साइकिल चलाने एवं स्वस्थ रहने संबंधी संदेशों का प्रचार किया गया। इस अवसर पर रानीदुर्गावती विश्व विद्यालय के वित्त निर्यंत्रक

कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस - ग्रोप, अशोक कुमार मराठे, कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस मुकेश इब्राई - डॉ देवांत गौतम, शास. आर्ट्स विद्यालय महाविद्यालय से एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ रचना सैना, रादुविधि

**तीन किलोमीटर की दूरी तय करते हुए दुमना नेचर पार्क में हुआ सम्यज्ञ**

के विधि विभाग से डॉ देवी लता, शारीरिक शिक्षण विभाग से फेकनटी - कनिका कुमार राठौर, सुदर्शन सिंह ठाकुर, हेमंत शर्मा, डॉ. प्रमनवीर चटर्जी, प्रवीण चौड़े, पार्थ रैकवार एवं एन एस एस स्वयंसेवकों में अंकित लखेरा, राखी लखेरा, मोहम्मद हसनैन बेग, पार्वती अहिरवार, मीनाथी गौतम, मीसमी गौतम, वैष्णवी बैरागी, दीपिका लोधी, कल्पिनी जायसवाल, प्रियंका यादव, खुर्राम सई, संघ्या बनन, शिवांगी रजक, विजय सिंह बैस, देवांत गौतम आदि ने उत्तमिष्ठ होकर सहभागित की।

जबलपुर

शुक्रवार 12 जुलाई 2019  
(आगत शुक्रवार 12 जुलाई 2019)  
कॉड 42 अंक 2019, पृष्ठ 1944-46, कृपया ₹ 2.50

सच कहने का साहस और सतीका

# राज एक्सप्रेस

जबलपुर ■ भोपाल ■ इंदौर ■ ग्वालियर ■ रतलाम ■ रीवा ■ सतना ■ छिन्वाड़ा ■ उज्जैन ■ सागर

www.rajexpress.co

twitter.com/rajexpressnews

facebook.com/rajexpressnews

बढ़ चक्का आर  
कोड स्कैन कर  
हमें पाएँ अपने  
स्मार्ट फोन पर



राज एक्सप्रेस | महानगर

शुक्रवार, 12 जुलाई, 2019  
www.rajexpress.co

5 जबलपुर

## एनएसएस विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छ भारत समर इंटरनशिप के अंतर्गत चलाया जागरूकता अभियान ग्रामों में पॉलीथिन के उपयोग से करें परहेज

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

छात्र-छात्राएं ग्रामवासियों के बीच पहुंचकर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक तो कर ही रहे हैं, साथ ही ग्रामों में पॉलीथिन के उपयोग से परहेज करने की सलाह भी दे रहे हैं। इसी प्रकार ग्रामवासियों को खुले में शौच न करने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी की मुक्त इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना, एनएसएस के स्वयं सेवक व कार्यक्रम अधिकारी द्वारा ग्राम देवरी पटपरा में पहुंचकर स्वच्छता जागरूकता को लेकर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वच्छ भारत समर इंटरनशिप 2019 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए आरडीयू मुक्त इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एवं नोडल अधिकारी एसबीएसआई डॉ. देवांशु गौतम ने बताया कि भारत देश का प्रत्येक गांव स्वच्छ सुंदर व स्वस्थ हो इस उद्देश्य को लेकर स्वच्छ भारत समर इंटरनशिप का कार्यक्रम 2018 में प्रारंभ किया गया था,



इसी क्रम में यह दूसरी समर इंटरनशिप 2019 कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य है कि विद्यार्थी भी गांव एवं स्वच्छता के कार्यों से जुड़े तथा अपने गांव और अपने देश के विकास में भागीदार बनें। डॉ. गौतम के नेतृत्व में प्रशांत कुमार चापेकर, अरविंद कुमार लोधी, अंबिका द्विवेदी, सुबेन्द्र मन्ना व रितु पटेल साथ मिलकर गत 28 जून

से ग्राम देवरी पटपरा पर यह जागरूकता कार्यक्रम इंटरनशिप कर रहे हैं।

दिखाएंगे स्वच्छता वीडियो करेंगे वीडियो मॉनिटरिंग : स्वयंसेवकों ने बताया है कि गांव वाले भी स्वयं गंदगी नहीं चाहते हैं ना ही किसी प्रकार की बीमारियों से रूबरू होना चाहते हैं किंतु अज्ञानता वश उनके द्वारा ऐसे कार्य हो जाते हैं जिसको लेकर

स्वयंसेवक छात्र उन्हें जागरूक कर रहे हैं। छात्रों द्वारा ग्राम देवरी पटपरा के स्कूल के छात्र छात्राओं व सभी बच्चों को वीडियो के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास व स्वच्छता कार्य में सम्मिलित होने हेतु जागरूक करेंगे।

नुकड़ नाटक के माध्यम से भी ग्रामीण जनों को संदेश : स्वच्छता संबंधी जागरूकता हेतु गांव के चौराहों, चबूतरों व गलियों में नुकड़ नाटक, लोक नृत्य और लोक गीत के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास किए जा रहे हैं। आरडीयू कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस प्रो. अशोक कुमार मराठे, जिला संगठक एनएसएस आनंद सिंह राणा आदि ने स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएं दीं। स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान ग्राम के सरपंच सन्तोष पटेल जनपद अध्यक्ष संजय पटेल शर्मा दिलीप पटेल एवं ग्राम के वृद्धजनों, महिलाओं का विशेष सहयोग व योगदान रहा।





## स्वच्छता हम सभी का दायित्व, पॉलीथिन मुक्त होगा रादुविवि

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के मौके पर शनिवार प्रातः स्वच्छता, श्रमदान एवं पीधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

### स्वच्छता, श्रमदान कार्यक्रम एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल हुए प्रतिभागी

इस मौके पर कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता एवं केन्ट विधानसभा क्षेत्र विधायक अशोक रोहाणा, जिला कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी, नगर निगम आयुक्त आशीष वशिष्ठ, विवि कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, विवि वित्त निर्यंत्रक रोहित सिंह कौशल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र, संकायाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र सिंह, विवि एनएसएस समन्वयक प्रो. अशोक मराठे, विवि शारीरिक शिक्षण विभागाध्यक्ष डॉ. विशाल बने की मौजूदगी में प्राध्यापकों और स्वयंसेवकों ने विवि परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान किया और इसके प्रति जागरूक भी किया। आयोजन में कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने उपस्थितजनों को पॉलीथिन मुक्त परिसर' की शपथ दिलाते हुए



पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प दिलाया। कुलपति ने कहा कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर को पूर्ण रूप से पालीथिन मुक्त बनाना है। इस संकल्प को हम सबको अपने सहयोग से पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण वैश्विक चुनौती बना हुआ है। ऐसे में आवश्यक है कि हम सब मिलकर पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन करें।

सबको याद रखना होगा कि प्रकृति संरक्षण हम सबका साझा दायित्व है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र, संकायाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र सिंह एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों एवं अतिथि विद्वानों, छात्र-छात्राओं ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर को पॉलीथिन मुक्त बनाने में सक्रिय हिस्सेदारी देने का संकल्प लिया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के मौके पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, रांगोली प्रतियोगिता का

आयोजन विवि विज्ञान भवन में किया गया। इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं एनएसएस विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर अपनी कला का प्रदर्शन किया और 'पालीथिन मुक्त परिसर' व स्वच्छता संरक्षण को लेकर जागरूकता संदेश दिया। वहीं विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन विवि शारीरिक शिक्षण विभाग अध्यक्ष डॉ. विशाल बने के नेतृत्व में हुआ।

कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के बीच सेवा भाव, स्वयंसेवीवाद और स्वच्छ वातावरण के साथ-साथ जल संरक्षण के लिए गतिविधियों के निर्माण हेतु प्रोत्साहित करना रहा। इस मौके पर एनएसएस विवि समन्वयक प्रो. अशोक मराठे, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. मीनल दुबे, इं.जो. महावीर त्रिपाठी, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी ओपने यूनिट डॉ. देवांशु गौतम सहित अन्य प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे।

संयोजक/संयोजिका रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा नवभारत प्रेस नेपियर टाउन, प



# City भास्कर

इंटरनेशनल प्लास्टिक बैग फ्री-डे: विशेषज्ञों ने कहा - इससे होने वाले नुकसान का स्वयं करें आकलन, सेहत पर भी पड़ता है बुरा असर

## पर्यावरण को प्लास्टिक फ्री बनाने व्यक्तिगत रूप से जरूरी हैं प्रयास



सिटी रिपोर्टर, जबलपुर। प्लास्टिक पर्यावरण के लिए हानिकारक है, यह बात जानते हुए भी लोग प्लास्टिक बैग का यूज करते हैं। बैग से लेकर पानी की बॉटल तक, आज प्लास्टिक का इस्तेमाल हर

चीज में किया जाता है। प्लास्टिक से होने वाले नुकसान और इसके बढ़ते उपयोग को रोकने के लिए आज 'इंटरनेशनल प्लास्टिक बैग फ्री-डे' मनाया जाता है, उद्देश्य लोगों को प्लास्टिक बैग का

उपयोग नहीं करने के लिए अवेयर करना है। हमने एक्सपर्ट से जाना कि किस तरह हम डेली लाइफ में प्लास्टिक बैग्स को अर्वाइड करते हुए अच्छे उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं। (आर-3)

### वर्षों तक नेचुरली डिग्रेड नहीं होते

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जूनियर साइंटिस्ट **आमिया इक्का** बताती हैं कि प्लास्टिक कई वर्षों तक नेचुरली डिग्रेड नहीं होते, यह खतरनाक अपशिष्ट में आते हैं। पाया गया है कि समुद्र के तल में लगभग 80 वर्षों पुरानी प्लास्टिक की बॉटल जैसी की तैसी हालत में मिली। यह पर्यावरण के लिए हानिकारक है। प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करें। लोगों को अवेयर करने के लिए समय-समय पर अवेयरनेस प्रोग्राम भी चलाए जाने चाहिए। प्लास्टिक बैग की जगह कपड़ों के बैग का उपयोग करने की आदत डालें। वहीं पेपर बैग भी बेस्ट ऑप्शन है। इसे आसानी से घर में बनाया जा सकता है।

### विभिन्न समस्याओं का कारण है प्लास्टिक

रादुविवि के डिजाइन इनोवेशन सेंटर के डायरेक्टर **प्रो. एसएस संधू** बताते हैं कि वर्तमान में पर्यावरण की बिगड़ती हालत देखकर बहुत दुःख लगता है। हर तरह से प्लास्टिक पर्यावरण के लिए हानिकारक है। या यूँ कहें कि विभिन्न समस्याओं का कारण ही प्लास्टिक बैग का उपयोग है। प्लास्टिक खाकर जानवर बीमार होते हैं, फिर उनसे बीमारियाँ उत्पन्न होती हैं। कुछ जगहों पर ऐसी पॉलीथिन का उपयोग किया जाता है जोकि मिट्टी में धुलनशील होती है। इन्हें खराब आलुओं से स्टार्च निकलाकर बनाया जाता है। इस तरह की पॉलीथिन का उपयोग किया जा सकता है।

### पर्यावरण के लिए हम सभी अवेयर हों

कदम संस्था के संस्थापक **योगेश गनोरे** बताते हैं कि एक तरफ वे अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को संतुलित बनाने के प्रयासों में लगे हैं। वहीं दूसरी ओर प्लास्टिक बैग का उपयोग करना, उन्हें कहीं भी फेंकना इन सबसे पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है। कपड़े और पेपर के बैग का उपयोग करके पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। आज से करीब 20 वर्षों पहले बिना प्लास्टिक बैग के ही सारे काम हुआ करते थे। प्लास्टिक फ्री एनवायरमेंट के लिए हर एक व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से प्रयास करने होंगे। हमें पर्यावरण बचाने के लिए मिलकर कोशिशें करनी हैं।

### करते हैं कपड़े के बैग का उपयोग

गृहिणी **आराधना दुबे** बताती हैं कि प्लास्टिक के कैरी बैग कभी यूज नहीं करतीं। हमेशा घर से अपना कपड़े का बैग लेकर जाती हैं। काम छोटा हो या बड़ा, अपने साथ कैरी बैग रखना कभी नहीं भूलतीं। वे बताती हैं कि घर में दो गाड़ियाँ हैं जिसमें हमेशा कपड़े के एक्स्ट्रा कैरी बैग रखे होते हैं। प्लास्टिक बैग का यूज नहीं करना पड़े, इसलिए सभी मॉबर्स अपने साथ एक छोटा कपड़े का बैग रखते हैं। खासतौर पर बेटा यदि कपड़े के बैग में एक बार सामान लेकर आता भी है तो बैग खाली करने के बाद उसे तुरंत बैग में रख लेता है। यह आदत परिवार में हर व्यक्ति की है। पी-3



# रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय Rani Durgavati Vishwavidyalaya

(Formerly, University of Jabalpur)  
(NAAC Accredited Grade "B" University)



सरस्वती विहार, पचपेढी, जबलपुर-482001 (म.प्र.)  
Saraswati Vihar, Pachpedi, Jabalpur-482001 (M.P.)





# रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय Rani Durgavati Vishwavidyalaya

(Formerly, University of Jabalpur)  
(NAAC Accredited Grade "B" University)



सरस्वती विहार, पचपेढी, जबलपुर-482001 (म.प्र.)  
Saraswati Vihar, Pachpedi, Jabalpur-482001 (M.P.)

